बिहार विधान-सभा वादवृत

(भाग–1 कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

सोमवार, तिथि 14 अगस्त, 1978 ई०

विषय सूची।

	पृष्ठ
प्रश्नों के मौखिक उत्तर	
अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर संख्या-25	1—20
परिशिष्ट :–(प्रश्नों के लिखित उत्तर)	21—24
दैनिक निबंध	25

टिप्पणी :–किन्हीं मंत्री या मा० सदस्य से संशोधन प्राप्त नहीं हुए हैं।

अध्यक्ष – अब इसको समाप्त कीजिए। इस प्रकार अब मैं पूरक प्रश्न नहीं पूछने दूँगा। यह समय तारांकित प्रश्न के लिये है या अल्प-सूचित प्रश्न के लिये है ?

श्री दीनानाथ पाण्डेय – अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। एक घण्टा का समय इस प्रश्न मे लग गया, लेकिन निष्कर्ष क्या निकला ? अधिकांश माननीय सदस्यों की इच्छा है कि सदन की समिति इसकी जाँच करें।

अध्यक्ष महोदय, सदन के माननीय सदस्यों की इच्छा है कि इसकी जाँच सदन की समिति द्वारा करायी जाय, इसको स्वीकार कीजिये, यही मेरा निवेदन है, कुछ तो इसका निष्कर्ष निकालिये।

(सदन में शोरगुल)

अध्यक्ष – शांति, शांति। मैं संचिका मंगवाकर देख लूंगा और जिन बातों का जिक्र माननीय सदस्य ने किया है संचिका देखने के बाद अगर मैं उन बातों से संतुष्ट हूँगा तो मैं आगे की कार्रवाई पर विचार करूँगा।

श्री मुंशीलाल राय हमारा प्वायंट ऑफ आर्डर है।

(इस अवसर पर कई सदस्य प्वायंट ऑफ आर्डर पर खड़े हो गये।)

(सदन में शोरगुल)

अध्यक्ष - शांति, शांति। आप सदन में शांति नहीं रखेंगे तो किस तरह से सुनाई पड़ेगी।

तारांकित प्रश्न संख्या 26 के सम्बन्ध में चर्चा

श्री मंजय लाल—अध्यक्ष महोदय, श्री यशोदानन्द सिंह, श्री जगदीश शर्मा तथा श्री रामाकान्त ठाकुर, स० वि० स० द्वारा पूछा गया तारांकित प्रश्न संख्या 26 तदनुसार आदेश पत्र संख्या 2104 जो दिनांक 25-7-78 के आदेश पत्र पर आया था तथा जिसका लिखित उत्तर भी छपा हुआ है, इस सम्बन्ध में मुझे यह सूचित करना है कि उपर्युक्त प्रश्न के खण्ड 2 के उत्तर में स्वीकारात्मक छपा हुआ है जो गलत है वास्तव में इस खण्ड में स्वीकारात्मक के स्थान पर नकारात्मक होना चाहिये था। अतः मेरा आग्रह है कि इसे इस आलोक में यथासंशोधित समझा जाय।

अध्यक्ष—प्रश्नोत्तर काल समाप्त हुए। जिन प्रश्नों के उत्तर तैयार हो, उन्हें सदन के पटल पर रख दिया जाय।

श्री लालमुनी चौबे—अध्यक्ष महोदय, मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं हुआ। तीन आदमी की हत्या हो गई और सरकार उत्तर नहीं दे, सदन का एक घंटा का समय इसी तरह एक प्रश्न पर निकल जाय और इतने लोगों की हत्या हुई हो और सरकार उत्तर नहीं दे, अगर सरकार उत्तर देगी तो उस पर मैं पूरक प्रश्न पूछ सकता हूँ, सप्लमेन्ट्री हो सकती है, मैं पूछना चाहता हूँ कि यू० पी० पुलिस ने 10 लोगों की हत्या की है या नहीं ?

अध्यक्ष—आप उत्तर को देख लें और अगर उत्तर से सन्तुष्ट नहीं होंगे तो अगले सत्र में इसको पूछियेगा। जो चार्ज माननीय सदस्य लगा रहे हैं कि सदन का समय बर्बाद हुआ मुझे लगता है कि उसमें माननीय सदस्य भी उलझ जायेंगे।

जितेन्द्र नारायण सिंह,
सचिव,
बिहार विधान-सभा।

पटना
दिनांक 14 अगस्त, 1978 ई०